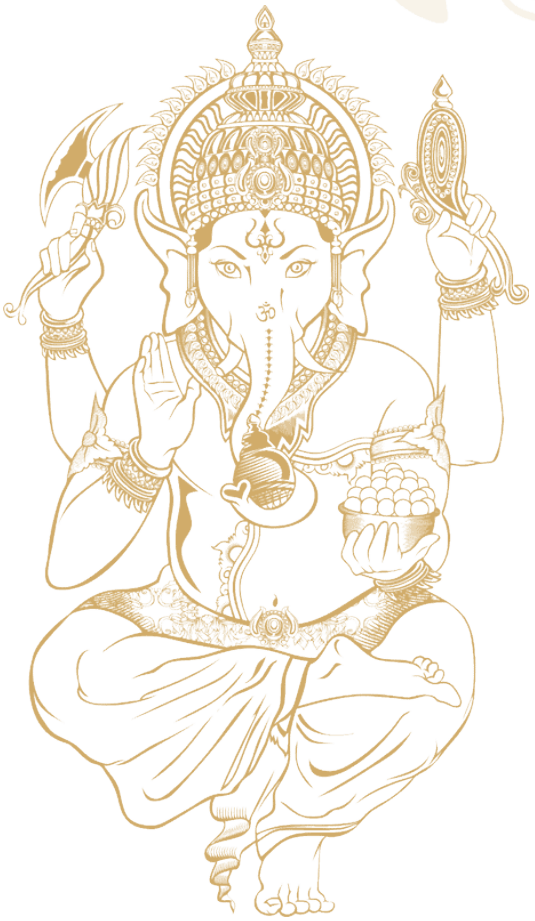

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27/10/1999	जन्म तिथि	17/03/2000
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 16:30:00	जन्म समय	12:33:00 घंटे
घटी 24:43:48	जन्म समय(घटी)	14:51:02 घटी
India	देश	India
Sikar	स्थान	Sikar
27:51:00 उत्तर	अक्षांश	27:51:00 उत्तर
75:14:00 पूर्व	रेखांश	75:14:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:29:04	स्थानिक संस्कार	-00:29:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:36:28	सूर्योदय	06:36:35
17:49:20	सूर्यास्त	18:38:36
23:51:01	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:21

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 5वर्ष 8मा 1दि		14:02:51	मीन	लग्न	मिथु	14:36:33	बुध 5वर्ष 4मा 28दि	
राहु		09:43:31	तुला	सूर्य	मीन	03:08:24	शुक्र	
29/06/2012		15:46:15	वृष	चंद्र	कर्क	25:45:23	14/08/2012	
29/06/2030		13:43:17	धनु	मंगल	मेष	01:53:36	14/08/2032	
राहु	12/03/2015	03:39:34	वृश्चि	बुध	कुंभ	09:12:47	शुक्र	14/12/2015
गुरु	04/08/2017	05:34:45	मेष व	गुरु	मेष	12:05:58	सूर्य	14/12/2016
शनि	10/06/2020	23:16:40	सिंह	शुक्र	कुंभ	10:51:05	चन्द्र	14/08/2018
बुध	29/12/2022	20:39:35	मेष व	शनि	मेष	20:03:13	मंगल	15/10/2019
केतु	16/01/2024	14:54:41	कर्क व	राहु व	कर्क	08:34:31	राहु	14/10/2022
शुक्र	16/01/2027	14:54:41	मक व	केतु व	मक	08:34:31	गुरु	14/06/2025
सूर्य	11/12/2027	19:01:11	मक	हर्ष	मक	25:08:29	शनि	14/08/2028
चन्द्र	11/06/2029	07:47:14	मक	नेप	मक	11:59:35	बुध	15/06/2031
मंगल	29/06/2030	15:08:20	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	19:02:43	केतु	14/08/2032

लग्न-चलित

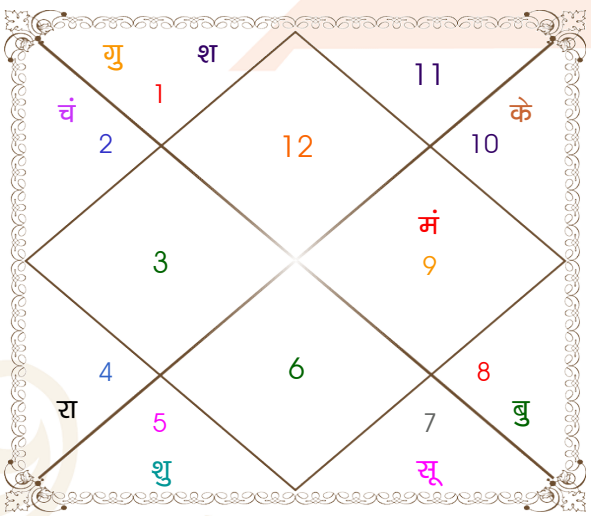

लग्न-चलित

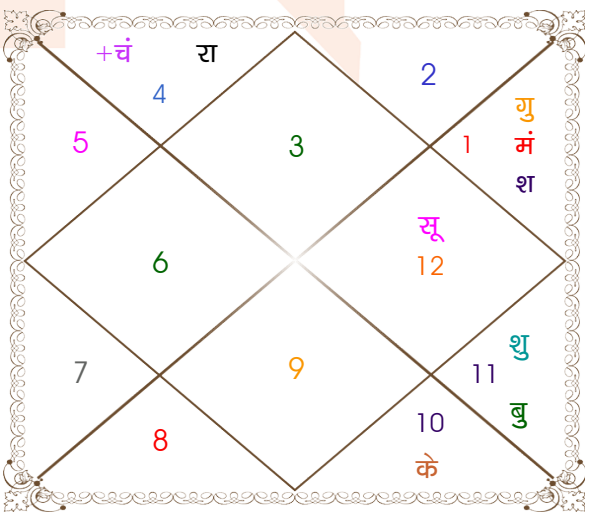

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr. का नक्षत्र रोहिणी है।

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।